No. of Printed Pages : 6

BPY–007

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

(B. A. PHILOSOPHY)

Term-End Examination

June, 2025

(Elective Course : Philosophy)

BPY–007 : ETHICS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to question nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. What does Immanuel Kant mean by saying that "We experience the principle of morality as a categorical imperative" ? 20

Or

Elucidate and critically examine the salient aspects of Buddhist ethics. 20

2. Critically analyse the ethical issues pertaining to 'suicide'. 20

Or

Elucidate and critically analyse the various norms of morality. 20

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) What is the significance of the principle of utility in Jeremy Bentham's ethics ? 10

   (b) Explain briefly the salient aspects of ethics of Mahatma Gandhi. 10

   (c) Explain briefly the meaning of terrorism and the moral issues and challenges raised by terrorism. 10

   (d) Discuss Socrates' dictum 'knowledge is virtue'. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Explain briefly the relevance of reason in ethics. 5

(b) What is the function of moral language according to Emotivism ? Explain. 5

(c) What role does ethics play in augmenting the moral standard of the society ? Explain. 5

(d) Briefly explain Aristotle's conception of virtue. 5

(e) What does it mean to say that the dignity of human life is internal rather than external ? Explain. 5

(f) Briefly explain the different approaches to the study of ethics. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Autonomy of will according to Kant 4

(b) Descriptive ethics 4

(c) Pythagoras' ethics 4

(d) Indeterminism 4

(e) Hedonism 4

(f) Virtue ethics 4

(g) Ethics in Bhagvadgita 4

(h) Voluntary and Involuntary action 4

BPY–007

स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम (बी. डी. पी.)

(बी. ए. दर्शनशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र)

बी.पी.वाई-007 : नीतिशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न क्रमांक **1** और **2** के उत्तर लगभग **400-400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. "नैतिकता के सिद्धान्त का अनुभव हमें निरपेक्ष आदेश के रूप में होता है।" इस कथन से इमैनुएल काण्ट का क्या तात्पर्य है ? 20

अथवा

बौद्ध नीतिशास्त्र के मुख्य पहलुओं की व्याख्या और आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20

2. 'आत्महत्या' के नैतिक मुद्दों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 20

अथवा

नैतिकता के विभिन्न मानदण्डों की व्याख्या और आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(अ) जेरेमी बेन्थम के नीतिशास्त्र में उपयोगिता के सिद्धान्त का क्या महत्व है ? 10

(ब) महात्मा गांधी के नीतिशास्त्र के मुख्य पहलुओं की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 10

(स) आतंकवाद के अर्थ, नैतिक मुद्दों और चुनौतियों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 10

(द) 'ज्ञान सद्गुण है', सुकरात की इस उक्ति की चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए :

(अ) नीतिशास्त्र में तर्कबुद्धि की प्रासंगिकता की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5

(ब) संवेगवाद के अनुसार नैतिक भाषा का क्या कार्य है ? व्याख्या कीजिए। 5

(स) समाज के नैतिक स्तर के संवर्धन में नीतिशास्त्र क्या भूमिका निभाता है ? व्याख्या कीजिए। 5

(द) अरस्तू के सद्‌गुण की अवधारणा की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5

(य) इसका क्या तात्पर्य है कि मानवीय जीवन की गरिमा आन्तरिक है न कि बाह्य ? व्याख्या कीजिए। 5

(र) नीतिशास्त्र के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोणों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) काण्ट के अनुसार संकल्प की स्वतंत्रता 4

(ब) वर्णनात्मक नीतिशास्त्र 4

(स) पायथागोरस का नीतिशास्त्र 4

(द) अनियतिवाद 4

(य) सुखवाद 4

(र) सद्‌गुण नीतिशास्त्र 4

(ल) भगवद्‌गीता में नीतिशास्त्र 4

(व) ऐच्छिक और अनैच्छिक कृत्य 4

× × × × ×